हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित शैक्षणिक गतिविधियां एवं आयोजन

सत्र 2021-2022

1. 1 जुलाई 2021 को राज्य स्तरीय हिंदी अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

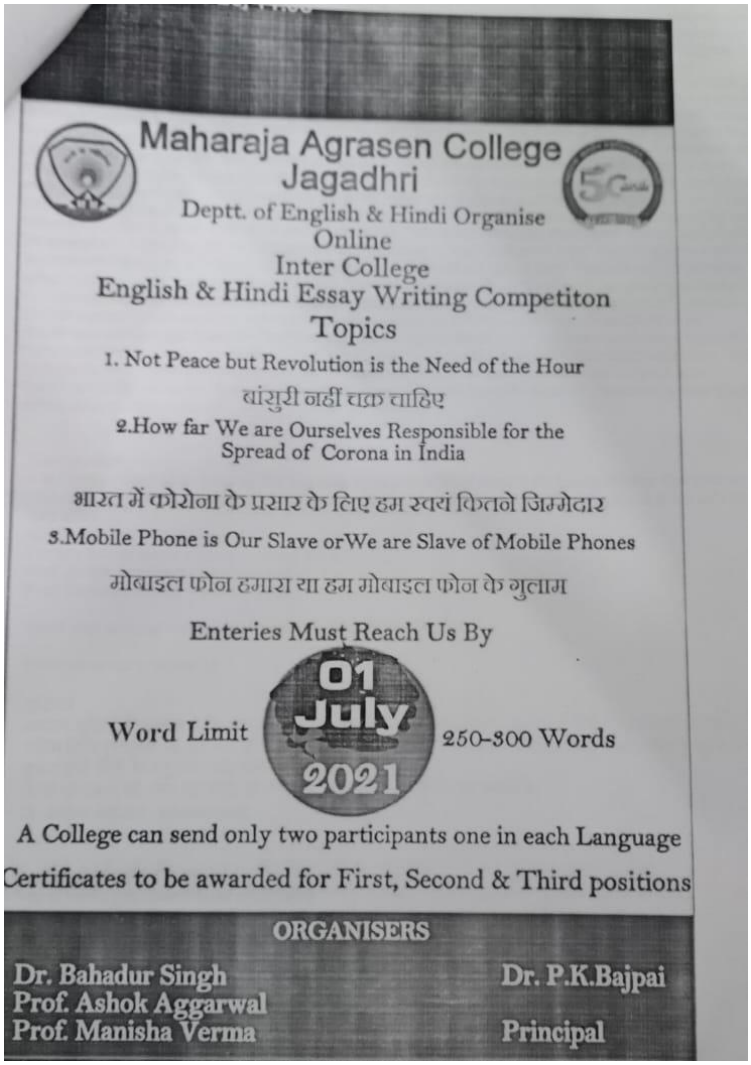

2. 7 जुलाई 2021 को हिन्दी विभाग द्वारा महाराजा अग्रसैन जंयती को धूमधाम से मनाया गया।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में कॉलेज में कार्यक्रम

जगाधरी, 6 अक्तूबर (निस)

महाराजा अग्रसेन कालेज जगाधरी में बुधवार को महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन की मूर्ति पर माल्यर्पण कर इन्हें नमन किया गया। कालेज प्रिंसिपल डा. प्रमोद कुमार बाजपेयी ने कहा कि अग्रसेन के समाजवादी सिद्धांतों की आज के युवा विद्यार्थियों को जानकारी होना जरूरी है। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. बहादुर सिंह ने महाराजा अग्रसेन के व्यक्तित्व एवं उनके प्रशासन, कल्याणकारी नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्रा नंदिनी तथा जसविंद्र ने महाराज अग्रसेन की जीवनी पर विचार प्रस्तुत किए।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, http

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में करवाया भव्य समारोह

यमुनानगर, 6 अक्तूबर (ओमपाहवा) : महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में महाराजा अग्रसेन जयंती का भव्य आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन कालेज प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार बाजपेई के प्रेरक उद्बोधन से हुआ। डॉ बाजपेई ने कहा कि आज हम कालेज की स्वर्ण जयंती के अवसर पर अग्रवंश के संस्थापक अग्रसेन जी की जयंती मना रहे हैं। अग्रसेन जी के समाजवादी सिद्धांतों की आज के युवा विद्यार्थियों को जानकारी होना जरूरी है। इस अवसर पर अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ करु णा, वाणज्यि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा गुप्ता, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र सिंह, वाणज्यि कला की अध्यक्ष मैडम सीमा जैनए अर्थशास्त्र की वरिष्ठ प्राध्यापिका मैडम पूनम गर्ग और एलुमनाई एसोसिएशन की प्रभारी डॉ अनीता सहित मैडम मनीषा और अन्य प्राध्यापकों ने आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

दैनिक सवेरा Thu, 07 October 2021 epaper.dainiksaveratimes.org/c

महाराज अग्रसेन के बताए मार्ग पर चलें युवा

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में जिले में कार्यक्रमों का आयोजन, शिक्षकों और विद्यार्थियों को महाराजा अग्रसेन के जीवन पर विचार रखे

महाराजा अग्रसेन को किया याद

जरूरतमंदों के उत्थान के लिए समर्पित किया जीवन

महाराजा अग्रसेन की जयंती पर होगा कार्यक्रम

दैनिक जागरण : 7/7/2021

अंग्रेजी निबंध लेखन में एमएलएन कालेज की अनामिका प्रथम

प्रिंसिपल डा. पीके वाजपेयी व स्टाफ सदस्यों के साथ अव्वल रही छात्राएं। ● प्रवक्ता

जागरण संवाददाता, जगाधरी : महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी एवं अंग्रेजी विभाग की ओर से आनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कालेज प्राचार्य डा. पीके वाजपेयी ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौर में इस प्रकार के विषय युवा विद्यार्थियों में चिंतन मनन एवं विचार शक्ति को बढ़ाने में सफल होंगे। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी निबंध ले... में एमएलएन कालेज की बीए अंति... वर्ष की छात्रा अनामिका सोनी प्रथ... एमए अंग्रेजी प्रथम वर्ष की छात्रा भ... शेट्टी द्वितीय व आइएसएच केयूके छात्र भूपेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर ...

...wk and ex...
...te to great educ... ...pur in view
...able role played by him in the ... education for
the regeneration of the country. Tribune - 8/7/21

MLN COLLEGE STUDENTS BRING LAURELS

Yamunanagar: Anamika Soni of BA (English hons) third year and Bhavya Sethi of MA English (previous year) of Mukand Lal National College, Yamunanagar, have bagged first and second positions respectively in an inter-college state-level English and Hindi essay writing competition organised by Maharaja Agrasen College, Jagadhari. Dr Ritu Kumar, head of the department of English, congratulated the winners.

WORKSHOP FOR SUPPORTING ...AFF

3. 14 सितम्बर 2021 हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस मनाया गया।

4.

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में मनाया विश्व हिंदी दिवस

सच कहूँ/जयपाल सैनी

जगाधरी। आज विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी के भाषा विभाग द्वारा एक वर्चुअल भाषण का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. बहादुर सिंह द्वारा राष्ट्र भाषा हिंदी और वर्तमान में विश्व में उसकी दशा पर एक ज्ञानवर्धक भाषण दिया जिसको विद्यार्थियों ने गूगल मीट पर जुड़ कर सुना। डॉ. बाजपेई ने कहा कि कोई भी राष्ट्र बिना अपनी मातृभाषा के गूंगा है। आज के वैश्वीकरण के दौर में जो उदारीकरण की स्थिति बढ़ी है त्यों त्यों राष्ट्रीय भाषाओं का विकास भी हुआ है। विश्व के सभी देश एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा से जुड़कर अपना कार्य चला रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. बहादुर सिंह ने कहा कि 26 जनवरी 1950 से भारत में संवैधानिक रूप से हिंदी को राष्ट्र भाषा एवं राजभाषा के रूप में प्रचारित प्रसारित करने का प्रावधान किया है।

यही वजह है कि वर्तमान में राष्ट्र भाषा हिंदी शत प्रतिशत नहीं तो कुछ मात्रा में राजभाषा बनते जा रही है और उदारीकरण, वैश्वीकरण, बाजारीकरण और भौतिकवादी युग में आज हिंदी भाषा विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नंबर पर आती है। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में जिस तेजी से मानव जीवन में भौतिकवाद को बढ़ावा मिला है त्यों-त्यों हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार विदेशी कंपनियों और उन द्वारा संचालित व्यापार माध्यमों में हिंदी का वर्चस्व कायम होता जा रहा है।

बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा विज्ञापन हिंदी में निर्मित किए जा रहे हैं। आइए आज हम विश्व हिंदी दिवस पर अपनी मातृभाषा को इतना सक्षम करें ज्ञान विज्ञान के विषयों की जानकारी इसमें भरें ताकि विश्व स्तर पर हिंदी ज्ञान प्रदान व रोजगार प्रदायी बन सके। यदि हम दृढ़ संकल्प लेते हैं तो एक दिन हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय भाषा बन जाएगी।

सच कहूँ Tue, 11 January 2022 epaper.sachkahoon.com/c/6553638

अग्रसेन महाविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

जगाधरी, 10 जनवरी (निस)

सोमवार को विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी के भाषा विभाग द्वारा एक वर्चुअल भाषण का आयोजन किया गया भाषण को विद्यार्थियों ने गूगल मीट पर जुड़ कर सुना।

अपने संबोधन में कालेज के प्रिंसिपल डा. पीके बाजपेयी ने कहा कि कोई भी राष्ट्र बिना अपनी मातृभाषा के गूंगा है। आज के वैश्वीकरण के दौर में जो उदारीकरण की स्थिति बढ़ी है, त्यों -त्यों राष्ट्रीय भाषाओं का विकास भी हुआ है।

दैनिक ट्रिब्यून

5. 10 जनवरी 2022 को हिन्दी विभाग के अन्तर्गत अर्न्तराष्ट्रीय हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन किया गया।

हरिभूमि रोहतक - यमुनानगर

Date 11 Jan 2022

महाराजा अग्रसेन कॉलेज में हिंदी दिवस पर वर्चुअल व्याख्यान

मातृभाषा के विकास के बिना उन्नति संभव नहीं

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में वर्तमान में विश्व भर में हिंदी भाषा की दशा पर आयोजित किया वर्चुअल व्याख्यान
- महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने व्याख्यान का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ›› यमुनानगर

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्व भर में वर्तमान में हिंदी की दशा विषय पर वर्चुअल व्याख्यान किया गया। व्याख्यान का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने अपने उद्बोधन से किया। वहीं, अध्यक्षता महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बहादुर सिंह ने की। विश्व भर में हिंदी भाषा का बढ़ता महत्व इस बात का उदाहरण है कि सैकड़ो विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी विभागों की स्थापना कर भारतीय कल्चर व भारतीय दर्शन की जानकारी दी जा रही है। मौके पर महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. बहादुर सिंह ने कहा कि भारत में संवैधानिक रुप से हिंदी को राष्ट्रभाषा के रुप में प्रचारित करने का प्रावधान किया गया है। यही वजह है कि वर्तमान में राष्ट्रभाषा हिंदी शत प्रतिशत नहीं तो कुछ मात्रा में राजभाषा बनते जा रही है। भौतिकवादी युग में जिस तेजी से मानव जीवन में भौतिकवाद को बढ़ावा मिला है, वैसे ही हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार भी बढ़ा है। आज बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा अपना प्रचार प्रसार हिंदी भाषा में किया जा रहा है। वहीं, कुछ कंपनियों द्वारा अपने उत्पादित माल, उसकी गुणवत्ता और उसकी विशेषताओं को छोटी-छोटी बुकलेट द्वारा प्रचारित प्रसारित कर रही हैं। ऐसे में जहां विश्व एक ग्लोबल विलेज बनता जा रहा है, वैसे ही हिंदी भाषा भी विश्व की भाषा बनने की ओर कदम बढ़ाते जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि हम दृढ़ संकल्प लें तो एक दिन हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय भाषा बन जाएगी।

हिंदी भाषा दूसरे नंबर पर बोली जाती

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने कहा कि आज विश्वभर में बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी भाषा दूसरे नंबर पर बोली जाती है। बिना मातृभाषा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता और वह अपनी मातृभाषा के बिना गूंगा के समान है। उन्होंने कहा कि आज वैश्वीकरण के दौर में उदारीकरण की स्थिति बढ़ने से राष्ट्रीय भाषाओं का विकास भी हुआ है। आज विश्व भर में सभी देश एक अंतरराष्ट्रीय भाषा से जुड़कर अपना काम चला रहे हैं। डॉ. बाजपेयी ने कहा कि विदेशी कंपनियों और उन द्वारा संचालित व्यापार माध्यमों में हिंदी भाषा का वर्चस्व कायम हुआ है।

बिना मातृभाषा के हर राष्ट्र गूंगा : बाजपेयी

संवाद न्यूज एजेंसी

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष में वेबिनार करवाया गया। कार्यक्रम भाषा विभाग की ओर से करवाया गया। जिसमें हिंदी विभागाध्यक्ष पूर्व एसोसिएट प्रो. डॉ बहादुर सिंह ने राष्ट्रभाषा हिंदी व वर्तमान में विश्व में उसकी दशा पर व्याख्यान दिया। इस मौकेपर प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने कहा कि बिना मातृभाषा के हर राष्ट्र गूंगा है।

डॉ. बहादुर सिंह ने कहा कि 26 जनवरी 1950 से भारत में संवैधानिक रूप से हिंदी को राष्ट्र भाषा एवं राजभाषा के रूप में प्रचारित प्रसारित करने का प्रावधान किया है। यही वजह है कि वर्तमान में राष्ट्रभाषा हिंदी शत प्रतिशत नहीं तो कुछ मात्रा में राजभाषा बनती जा रही हैं।

उदारीकरण, वैश्विकरण, बाजारीकरण और भौतिकवादी युग में हिंदी विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नंबर पर आती है। बड़ी बड़ी कंपनियों द्वारा विज्ञापन हिंदी में प्रसारित किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी करीब डेढ़ सौ से पौने दो सौ वर्ष तक विदेशी विश्वविद्यालय अपने यहां हिंदी विभागों की स्थापना कर भारतीय सभ्यता, दर्शन व साहित्य का अध्ययन व अध्यापन करवा रहे हैं।

ऐसे में जहां विश्व एक ग्लोबल विलेज बनता जा रहा है ऐसे वातावरण में हिंदी भाषा भी विश्व की भाषा बनने की ओर कदम बढ़ाते जा रही हैं।

6. 15 फरवरी 2022 को रविदास जयंती का आयोजन प्रेरक व्याख्यान के साथ किया गया।

दैनिक भास्कर यमुनानगर भास्कर 16-02-202

इंसान का विश्वास सदैव कर्म में ही होना चाहिए: वाजपेयी

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में संत शिरोमणि रविदास की जयंती मनाई गई। कॉलेज के प्राचार्य पीके वाजपेयी मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कहा कि इंसान का विश्वास सदैव कर्म में ही होना चाहिए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाराजा अग्रसेन के इकाई अध्यक्ष रजत, अभिषेक, नीरज, अमरपाल, बृजेश, विशाल चौधरी, मनदीप, जिला संयोजक देवांग छाबड़ा मौजूद रहे।

संत रविदास ने मानवता को एकता के सूत्र में पिरोया

महाराजा अग्रसेन कॉलेज में संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते डा. पीके वाजपेयी व स्टाफ सदस्य। • [illegible]

जगाधरी : महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से संत रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई। कालेज प्राचार्य डा. पीके बाजपेयी ने संत रविदास की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस मौके पर विद्यार्थियों ने संत रविदास की वाणी को आधार बनाकर अपने विचार प्रस्तुत किए। कालेज प्राचार्य डा. पीके बाजपेयी ने बताया कि सभी जीव में मनुष्य बुद्धिमान है, उसमें अवगुण पैदा हो जाते हैं। मनुष्य को मन-वचन-कर्म को शुद्ध व पवित्र रखना चाहिए। मुख्य वक्ता हिंदी विभागाध्यक्ष डा. बहादुर सिंह रहे।

उन्होंने वर्तमान की समस्याओं को दूर करने के उपाय सुझाए। मानव जीवन की नश्वरता, मोह माया का त्याग, ईर्ष्या-द्वेष, घृणा आदि से दूर रहने की बात कही।

संत रविदास जी की जयंति पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

■ संत रविदास जयंती की पूर्व संध्या पर आयुर्वेदिक औषधियों का किया वितरण

कुरुक्षेत्र। गरीबों को औषधियां वितरित करते डॉक्टर।

'मन, वचन व कर्म रखना चाहिए पवित्र'

जगाधरी। मंगलवार को महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में गुरु रविदास जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ. पीके वाजपेयी ने गुरु रविदास के चित्र पर ज्योत प्रज्जवलित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कई विद्यार्थियों ने रविदास के विचारों को प्रस्तुत किया। वाजपेयी ने बताया कि सभी जीव में मनुष्य बुद्धिमान है, परंतु उसमें अवगुण पैदा हो जाते है। मनुष्य को अपने मन, वचन व कर्म को पवित्र रखना चाहिए। गुरु रविदास ने समाज को हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बहादुर सिंह ने गुरु रविदास के विचारों को आधार बनाते हुए वर्तमान की समस्याओं को दूर करने के उपाय बताए। डॉ. अनिता ने बताया कि हमें साधु, संतों के विचारों को अपनाते हुए समाज कल्याण के कार्य करने चाहिए। इस दौरान डॉ. वीरा रानी, डॉ. विजय चावला, डॉ. विरेंद्र सिंह, नीत, मनीषा व प्रो. अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। संवाद

7. 12 मार्च 2022 को एम.एल.एन. कॉलेज यमुनानगर के भुतपूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित कवि डॉ. रमेश कुमार जी का हरियाणा गौरव सम्मान प्राप्त होने के संदर्भ में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा उनका स हर्ष अभिनन्दन किया गया।

महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, जगाधरी

क्रमांक संख्या 200

दिनांक 11.03.2022

अभिनन्दन समारोह

महाराजा अग्रसैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगाधरी, यमुनानगर के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रमेश कुमार जी का हरियाणा सरकार द्वारा **'हरियाणा गौरव'** सम्मान दिए जाने के उपलक्ष्य में दिनांक 12.03.2022 को प्रातः 11 बजे महाविद्यालयी संगोष्ठी कक्ष में अभिनन्दन करने जा रहा है।

आप सभी अभिनन्दन समारोह में सादर आमन्त्रित हैं।

संयोजक

प्राचार्य

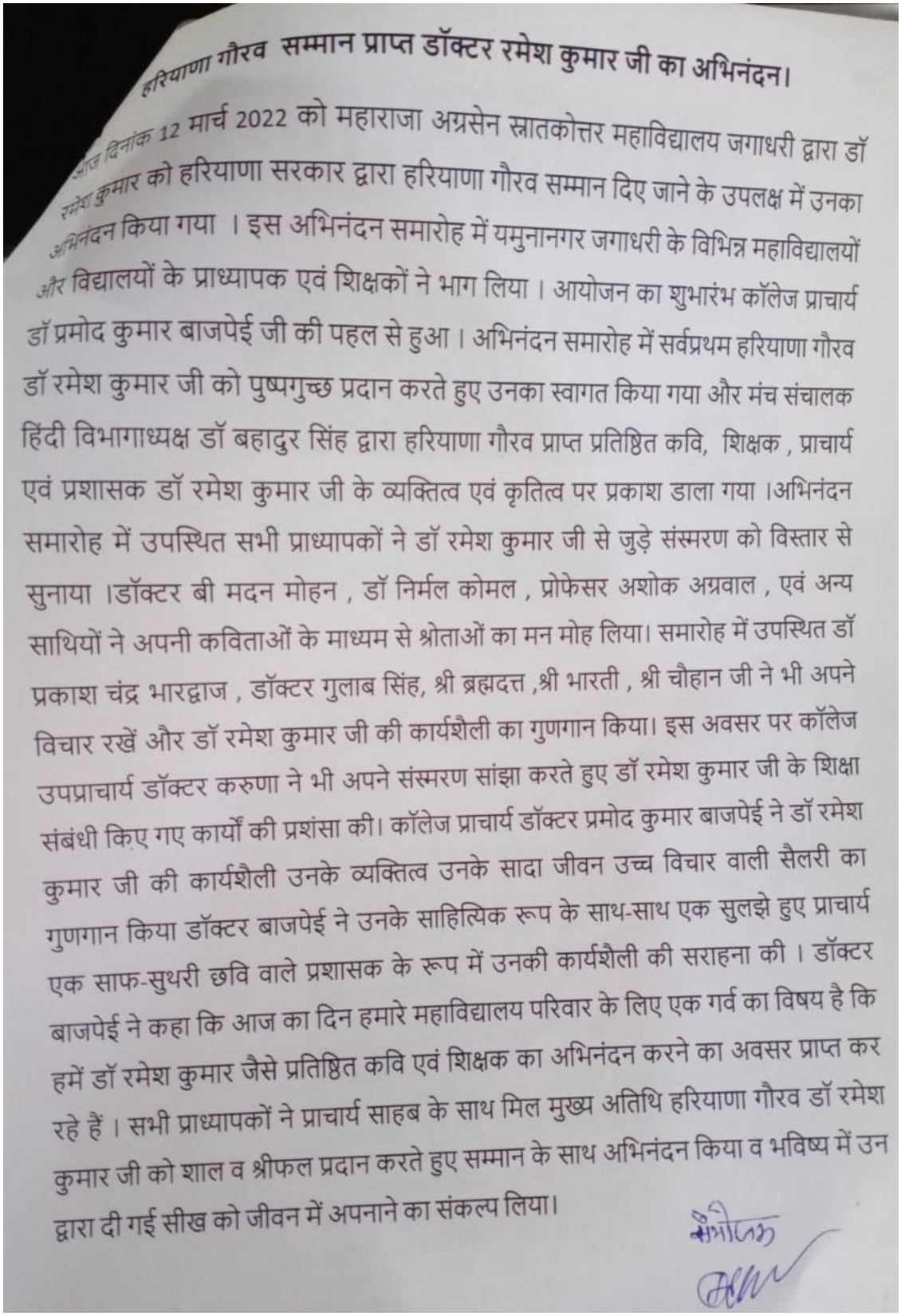

हरियाणा गौरव सम्मान प्राप्त डॉक्टर रमेश कुमार जी का अभिनंदन।

आज दिनांक 12 मार्च 2022 को महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगाधरी द्वारा डॉ रमेश कुमार को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा गौरव सम्मान दिए जाने के उपलक्ष में उनका अभिनंदन किया गया । इस अभिनंदन समारोह में यमुनानगर जगाधरी के विभिन्न महाविद्यालयों और विद्यालयों के प्राध्यापक एवं शिक्षकों ने भाग लिया । आयोजन का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार बाजपेई जी की पहल से हुआ । अभिनंदन समारोह में सर्वप्रथम हरियाणा गौरव डॉ रमेश कुमार जी को पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए उनका स्वागत किया गया और मंच संचालक हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ बहादुर सिंह द्वारा हरियाणा गौरव प्राप्त प्रतिष्ठित कवि, शिक्षक , प्राचार्य एवं प्रशासक डॉ रमेश कुमार जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया ।अभिनंदन समारोह में उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने डॉ रमेश कुमार जी से जुड़े संस्मरण को विस्तार से सुनाया ।डॉक्टर बी मदन मोहन , डॉ निर्मल कोमल , प्रोफेसर अशोक अग्रवाल , एवं अन्य साथियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं का मन मोह लिया। समारोह में उपस्थित डॉ प्रकाश चंद्र भारद्वाज , डॉक्टर गुलाब सिंह, श्री ब्रह्मदत्त ,श्री भारती , श्री चौहान जी ने भी अपने विचार रखें और डॉ रमेश कुमार जी की कार्यशैली का गुणगान किया। इस अवसर पर कॉलेज उपप्राचार्य डॉक्टर करुणा ने भी अपने संस्मरण सांझा करते हुए डॉ रमेश कुमार जी के शिक्षा संबंधी किए गए कार्यों की प्रशंसा की। कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर प्रमोद कुमार बाजपेई ने डॉ रमेश कुमार जी की कार्यशैली उनके व्यक्तित्व उनके सादा जीवन उच्च विचार वाली सैलरी का गुणगान किया डॉक्टर बाजपेई ने उनके साहित्यिक रूप के साथ-साथ एक सुलझे हुए प्राचार्य एक साफ-सुथरी छवि वाले प्रशासक के रूप में उनकी कार्यशैली की सराहना की । डॉक्टर बाजपेई ने कहा कि आज का दिन हमारे महाविद्यालय परिवार के लिए एक गर्व का विषय है कि हमें डॉ रमेश कुमार जैसे प्रतिष्ठित कवि एवं शिक्षक का अभिनंदन करने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं । सभी प्राध्यापकों ने प्राचार्य साहब के साथ मिल मुख्य अतिथि हरियाणा गौरव डॉ रमेश कुमार जी को शाल व श्रीफल प्रदान करते हुए सम्मान के साथ अभिनंदन किया व भविष्य में उन द्वारा दी गई सीख को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

8. 8 मई 2022 को हिन्दी विभाग के अर्न्तगम खालसा कॉलेज यमुनानगर के भूतपूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित लेखक डॉ. अमरीक सिंह द्वारा– अनियंत्रित दिमाग को नियंत्रित कैसे किया जायें' विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया गया।

अमर उजाला

यमुनानगर

9 मई, 2022

04

सकारात्मक सोच रखें विद्यार्थी : डॉ. अमरीक

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से अनियंत्रित मस्तिष्क को नियंत्रित करने के तरीके विषय पर व्याख्यान करवाया। जिसमें मुख्य वक्ता गुरुनानक खालसा कॉलेज के भूतपूर्व प्राचार्य डॉ. अमरीक सिंह रहे। इसमें विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच रखने की सलाह दी गई।

वक्ताओं ने कहा कि दिमाग में सदैव नकारात्मक व सकारात्मक भाव चलते रहते हैं। इसी को लेकर कई व्यक्ति अपना माइंड सेट बना लेता है। उनका दिमाग सदैव नकारात्मक चीजों की ओर ही बढ़ता चला जाता है। वे सकारात्मकता में भी नकारात्मकता खोजने लगते हैं।

इसलिए विद्यार्थियों को मन को काबू रखने के लिए सकारात्मक सोच रखने व बुरे विचारों को नजरअंदाज कर जनहित की बात सोचने, स्वयं को सफल इंसान बनाने, संतोष धन प्राप्त करने, इच्छाओं पर नियंत्रण करने इत्यादि बातों पर ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. बहादुर सिंह ,प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने भी संबोधित किए। इस दौरान डॉ. गौरव बरेजा, प्रो. अनिल कुमार, लखपत सिंह, प्रो. विजय चावला सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद